मीडिया समन्वय कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 21 मार्च 2017

अफगानिस्तान अपने संविधान के तहत मेलमिलाप वार्ता के लिए तैयार

भारत में अफगानिस्तान के राजदूत शाईदा मुहम्मद अब्दाली ने आज कहा कि उनका देश अपने संविधान के तहत किसी से भी मेलमिलाप की वार्ता के लिए तैयार है।

उन्होंने रूस, चीन और पाकिस्तान की तरफ से अफगानिस्तान समस्या के समाधान के लिए नए विकल्पों पर हो रहे प्रयासों का उल्लेख किए बिना कहा कि ऐसा नहीं हो कि समस्या सुलझने की बजाय और उलझ जाए। उन्होंने कहा, '' अफगानिस्तान अपने संविधान के ढांचे के तहत किसी से भी मेलमिलाप की वार्ता के लिए तैयार है।''

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में '' भारत–अफगानिस्तान विकास एंव रणनीतिक संबंध के मूल्यांकन '' विषय पर आज आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में अफगानिस्तान के राजदूत ने ये विचार रखे।

इस कांफ्रेंस को जेएमआई के एकेडमी आफ इंटरनेशनल स्टडीज़ विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय के आईएफपीएस, सीएसआईआरडी, और आईसीएसएसआर ने किया है।

उन्होंने जामिया मिल्लिया इस्लामिया :जेएमआईः का धन्यवाद करते हुए कहा कि आज भारत में अफगानिस्ता के 16 हज़ार से अधिक छात्र शिक्षा ले रहे हैं और उनमें से काफी बच्चे जेएमआई में हैं।

उन्होंने कहा कि भारत अभी अफगान सेना के 3000 अधिकारियों को प्रशिक्षित करता है और यह संख्या अब दोगुनी होने जा रही है।

अब्दाली ने कहा कि भारत उनके देश में अस्पताल, स्कूल कालेज, पार्लियामेंट भवन, सड़कें, पन बिजली योजनाएं जैसी जनता की ज़रूरतों से जुड़े बुनियादी इंफ्रास्टेक्चर को खड़ा कर रहा है और ऐसा कोई दूसरा देश नहीं कर रहा है।

अफगानिस्तान में भारत के राजदूत रह चुके और अब आईडीएसए के डायरेक्टर जनरल जयंत प्रसाद ने कहा कि पड़ोसी देश के लिए अल्पकालिक लक्ष्य यह होना चाहिए कि इसकी सामरिक स्थिरता को बनाए रखा जाए।

उन्होंने कहा, ''अगर कोई यह सोचे कि अफगानिस्तान की वर्तमान व्यवस्था की बजाय वहां तालिबान या आईएसआईएस जगह ले ले तो ये नहीं होगा।'' उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा, '' किसी एक देश की ऐसी ख्वाहिश पूरी नहीं की जा सकती है। भारत को अफगानिस्तान में समस्या के समाधान के लिए किसी के साथ काम करने में दिक्कत नहीं है लेकिन उसमें तालिबान और आईएसआईएस जैसे संगठन शामिल नहीं होने चाहिए।''

प्रसाद ने कहा कि भारत को इस मामले में ''न्यूनतम सावधानी '' की गारंटी चाहिए।

कान्फ्रेंस में सीएसआईआरडी के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल :रिटायरडः बी एस मलिक ने कहा कि अफगनिस्तान का कोई सैन्य समाधान नहीं हो सकता है और

अगर ऐसा प्रयास किया गया तो इससे और भी अधिक पेचीदा नतीजे सामने आएंगे।

इस आयोजन अपने अपेन क्षेत्र के विशेषज्ञों के सहयोग करने के लिए जेएमआई के एकेडमी आफ इंटरनेशनल स्टडीज़ विभाग की प्रमुख रश्मी दुरइस्वामी धन्यवाद किया।

कांफ्रेंस को सीएसआईआरडी की सीनियर फेलो डा अर्पिता बसु राय और इसी संगठन के निदेशक डा बिनोद के मिश्र ने संबोधित किया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों के अध्यापक और छात्र उपस्थित थे।

जेएमआई मीडिया कोऑर्डनैटर कार्यालय

font: Kruti Dev 010